मंगलवार, 10 फरवरी, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

जॉर्ज मुन्से की शानदार पारी स्कॉटलैंड जीता

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

वाराणसी में दिखाई देगी रामायण की भव्य झलक

Page-05

मूडीज़ का भारत पर भरोसा:

‘भारत रुकने वाला नहीं’

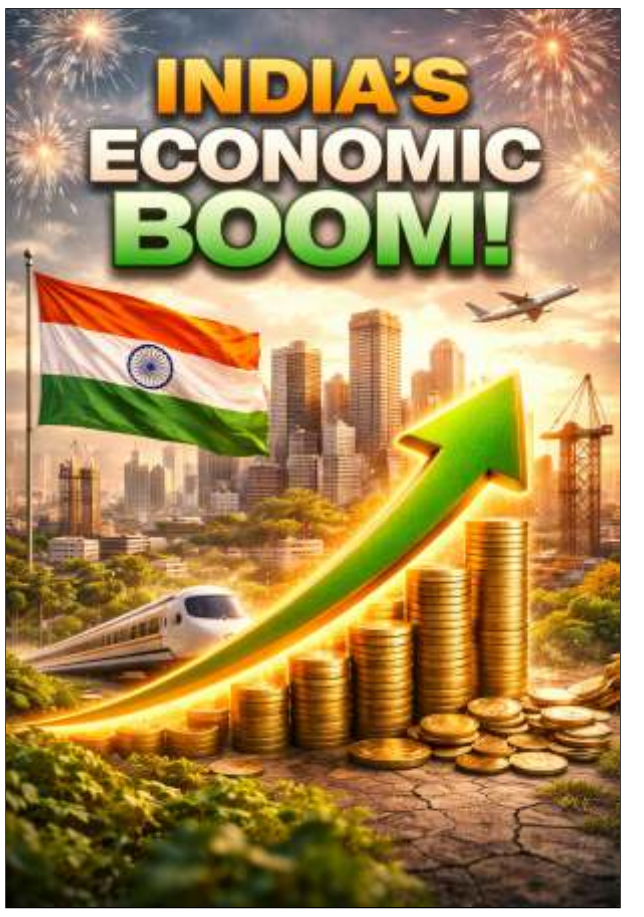

मूडीज़ ने भारत की आर्थिक वृद्धि को लेकर एक बार फिर भरोसा जताया है। एजेंसी का कहना है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों और आर्थिक दबावों के बावजूद भारत की जीडीपी ग्रोथ मजबूत बनी रहेगी। मूडीज़ के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था जिन ठोस बुनियादी कारकों पर टिकी है, वे इसे लंबी अवधि तक तेज़ी से आगे बढ़ने में सक्षम बनाते हैं। इसी संदर्भ में एजेंसी का संदेश स्पष्ट है—भारत की विकास यात्रा थमने वाली नहीं है।मूडीज़ ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मजबूत घरेलू मांग भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत बनी हुई है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में उपभोग में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है, जिससे मैन्युफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र को सीधा लाभ मिल रहा है। बढ़ती आय, रोजगार के नए अवसर और उपभोक्ता विश्वास में सुधार भारत की आर्थिक रफ्तार को गति दे रहे हैं।रिपोर्ट में सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे पर किए जा रहे भारी निवेश की भी सराहना की गई है। सड़क, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डों और लॉजिस्टिक्स से जुड़े प्रोजेक्ट्स न केवल आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं, बल्कि निजी निवेश को भी आकर्षित कर रहे हैं। मूडीज़ के अनुसार, इंफ्रास्ट्रक्चर पर बढ़ता पूंजीगत खर्च भारत की संभावित जीडीपी ग्रोथ को और मजबूत बना रहा है।मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को लेकर भी मूडीज़ का दृष्टिकोण सकारात्मक है। ‘मेक इन इंडिया’ और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) जैसी योजनाओं के चलते भारत वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, फार्मास्यूटिकल्स और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ रहा है, जिससे रोजगार सृजन और निर्यात दोनों को बल मिल रहा है।मूडीज़ ने बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की स्थिति को भी पहले से कहीं बेहतर बताया है। गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (NPA) में कमी, बैंकों की मजबूत बैलेंस शीट और बेहतर पूंजी पर्याप्तता के चलते कर्ज देने की क्षमता बढ़ी है। इससे उद्योगों और छोटे-मध्यम उद्यमों को वित्तीय सहायता मिल रही है, जो आर्थिक गतिविधियों के विस्तार में अहम भूमिका निभा रही है। हालांकि, रिपोर्ट में वैश्विक जोखिमों की अनदेखी नहीं की गई है। एजेंसी ने वैश्विक मंदी की आशंका, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनावों को संभावित चुनौती बताया है। इसके बावजूद मूडीज़ का मानना है कि भारत की मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था, नीतिगत स्थिरता और सुधारों की निरंतरता इन जोखिमों को संतुलित करने में सक्षम है।कुल मिलाकर, मूडीज़ का आकलन यह संकेत देता है कि सुधारों, निवेश और उपभोग के मजबूत आधार पर भारत आने वाले वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रमुख विकास इंजनों में बना रहेगा।

जिला परिषद चुनावों में बीजेपी का दबदबा,

महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी को करारी शिकस्त

महाराष्ट्र: जिला परिषद चुनावों के नतीजों में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए राज्य की ग्रामीण राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ साबित कर दी है। चुनाव परिणामों में बीजेपी की स्पष्ट बढ़त देखने को मिली, जबकि महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को कई जिलों में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इन नतीजों को आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।राज्य की विभिन्न जिला परिषदों में हुए चुनावों में बीजेपी ने न केवल सीटों की संख्या में बढ़त बनाई, बल्कि कई ऐसे क्षेत्रों में भी जीत दर्ज की, जिन्हें परंपरागत रूप से कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का गढ़ माना जाता रहा है। ग्रामीण मतदाताओं के बीच बीजेपी की स्वीकार्यता बढ़ने के संकेत इन नतीजों से साफ झलकते हैं।वहीं महाविकास अघाड़ी—जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और एनसीपी (शरद पवार गुट) शामिल हैं—को इस चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। कई जिलों में अघाड़ी के घटक दल आपसी तालमेल की कमी और बिखरे चुनावी रणनीति के चलते पिछड़ते नजर आए। सीटों के बंटवारे और जमीनी स्तर पर समन्वय की कमी का सीधा असर नतीजों पर पड़ा।

उलटा पड़ा दांव: बांग्लादेश ने ही पीसीबी से बहिष्कार खत्म करने की अपील

क्रिकेट: कूटनीति के मोर्चे पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को उस वक्त असहज स्थिति का सामना करना पड़ा, जब जिस बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के समर्थन के दम पर वह सख्त रुख दिखा रहा था, उसी बांग्लादेश ने बहिष्कार खत्म करने की मांग कर दी। यह घटनाक्रम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट राजनीति में पीसीबी के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है।हाल के महीनों में पीसीबी ने कुछ अहम मुद्दों पर आक्रामक रुख अपनाया था और दावा किया जा रहा था कि उसे कई एशियाई क्रिकेट बोर्ड्स का समर्थन हासिल है। इसी कड़ी में बांग्लादेश का नाम भी प्रमुख रूप से लिया जा रहा था। माना जा रहा था कि बांग्लादेश पीसीबी की रणनीति के साथ मजबूती से खड़ा है, जिससे पाकिस्तान को अपने फैसलों पर दबाव बनाने का आत्मविश्वास मिला।हालांकि, ताजा घटनाक्रम में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अलग रुख अपनाते हुए साफ तौर पर कहा है कि क्रिकेट को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए और मौजूदा बहिष्कार जैसी स्थिति का समाधान बातचीत से निकाला जाना चाहिए। बीसीबी का मानना है कि बहिष्कार से न तो खेल का भला होता है और न ही खिलाड़ियों और प्रशंसकों का। बोर्ड ने सभी संबंधित पक्षों से मिल बैठकर समाधान निकालने की अपील की है।बांग्लादेश के इस रुख को पीसीबी के लिए इसलिए भी झटका माना जा रहा है, क्योंकि इससे पहले पाकिस्तान यह संकेत देने की कोशिश कर रहा था कि क्षेत्रीय स्तर पर उसे व्यापक समर्थन हासिल है। लेकिन बीसीबी की इस अपील के बाद साफ हो गया है कि सभी बोर्ड पाकिस्तान की कठोर नीति के पक्ष में नहीं हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि बांग्लादेश का यह कदम व्यावहारिक सोच को दर्शाता है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पहले ही व्यस्त कैलेंडर, वित्तीय दबाव और दर्शकों की अपेक्षाओं से जूझ रहा है| ऐसे में बहिष्कार जैसे फैसले खेल को और नुकसान पहुंचा सकते हैं। बांग्लादेश शायद यही संदेश देना चाहता है कि खेल के हित सर्वोपरि होने चाहिए।

अजीत डोवाल के दौरे से भारत-कनाडा रिश्तों में मजबूती, दोनों देश मिलकर खालिस्तानियों पर कड़े कदम उठाएंगे

अजित डोभाल ने ओटावा में कनाडा के शीर्ष सुरक्षा और नीति अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। इन बैठकों में दोनों देशों ने एक साझा कार्य योजना पर सहमति जताई जिसका मकसद सुरक्षा और कानून प्रवर्तन सहयोग को मजबूत करना है।

भारत और कनाडा के बीच पिछले कुछ समय से चले आ रहे तनाव में अब कमी देखने को मिल रही है। इस बदलाव का केंद्र बिंदु है भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की हालिया कनाडा यात्रा, जिसने दोनों देशों के बीच सुरक्षा और कानून प्रवर्तन सहयोग को नई दिशा दी है। यह यात्रा भरोसे की बहाली और साझा हितों पर आगे बढ़ने का स्पष्ट संकेत थी।अजित डोभाल ने ओटावा में कनाडा के शीर्ष सुरक्षा और नीति अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठकें की। इन बैठकों में दोनों देशों ने एक साझा कार्य योजना पर सहमति जताई, जिसका उद्देश्य सुरक्षा और कानून प्रवर्तन में सहयोग को मजबूत करना था। तय हुआ कि दोनों देश अपने सुरक्षा तंत्र के बीच सीधा संपर्क बढ़ाएंगे, लायजन अधिकारी तैनात करेंगे और सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान सुनिश्चित करेंगे।बैठकों में साइबर सुरक्षा, संगठित अपराध, ड्रग तस्करी, अवैध वित्तीय प्रवाह, आव्रजन से जुड़ी धोखाधड़ी और ट्रांसनैशनल अपराध जैसे मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया। इस बात पर भी सहमति बनी कि नई तकनीक और डिजिटल माध्यम का उपयोग करने वाले अपराध नेटवर्क से मिलकर निपटा जाएगा। कनाडा ने यह स्पष्ट किया कि उसकी जमीन किसी भी प्रकार की हिंसक अलगाववादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल नहीं होने दी जाएगी।यह कदम भारत के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि लंबे समय से कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी तत्वों को लेकर चिंता रही है। 2023 में एक खालिस्तानी उग्रवादी की हत्या के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आया था। आरोप-प्रत्यारोप और कड़वाहट के कारण भरोसे में कमी आई थी। ऐसे समय में डोभाल की यह यात्रा भरोसा बहाल करने और स्पष्ट संदेश देने वाली मानी जा रही है।इस यात्रा से संकेत मिलते हैं कि दोनों देश मतभेदों को पीछे छोड़कर व्यावहारिक सहयोग की राह पर चलना चाहते हैं। आने वाले समय में व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी रिश्तों को गति मिलने की उम्मीद है। कनाडा के प्रधानमंत्री की प्रस्तावित भारत यात्रा को भी इसी नई समझ को मजबूत करने वाला कदम माना जा रहा है।डोभाल की यह यात्रा केवल कागजी समझौतों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सामरिक और मनोवैज्ञानिक असर भी है। यह तीन स्तर पर असर डालती दिखती है। पहला, यह स्पष्ट करती है कि भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं पर किसी भी स्थिति में समझौता नहीं करेगा। चाहे मामला साइबर खतरे का हो या अलगाववादी नेटवर्क का, भारत अब सीधे, स्पष्ट और परिणाम केंद्रित संवाद करता है।दूसरा, यह खालिस्तानी तत्वों के लिए सख्त संदेश है। लंबे समय तक उन्हें यह भरोसा रहा कि वे विदेश में राजनीतिक अभिव्यक्ति के नाम पर भारत विरोधी अभियान चला सकते हैं। पर जब मेजबान देश सुरक्षा सहयोग के लिए सहमत हो और हिंसक गतिविधियों को कानून का मामला माने, तो उनके लिए जगह सीमित हो जाती है। डोभाल की यह यात्रा इसे स्पष्ट करती है।तीसरा, यह मोदी सरकार की विदेश नीति के उस मॉडल को दिखाता है जिसमें भावनात्मक बयानबाजी से अधिक ठोस परिणामों को महत्व दिया जाता है। पिछले दशकों में कई बार ऐसा लगा कि भारत अपनी सुरक्षा चिंताओं में पर्याप्त दृढ़ता नहीं दिखा पाया। आज तस्वीर बदल गई है। भारत मित्र देशों से मित्रता चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा की कीमत पर नहीं।मोदी काल की विदेश नीति की खासियत यह रही है कि रिश्तों को शून्य या सौ के नजरिये से नहीं देखा गया। संक्षेप में, यह यात्रा केवल दो देशों के रिश्तों की बात नहीं है, बल्कि उस नए भारत की झलक है जो विनम्र भी है और दृढ़ भी, संवाद के लिए तैयार भी और अपने हितों की रक्षा के लिए सजग भी। यही संतुलन आज की वैश्विक राजनीति में सबसे बड़ी ताकत है।

ओस्लो समझौते की हीरोइन मोना जूल पर एपस्टीन कनेक्शन का आरोप, राजदूत पद गंवाना पड़ा

बदनाम अपराधी जेफ्री एपस्टीन की काली परछाईं उसकी मौत के सालों बाद भी बड़े-बड़े दिग्गजों का पीछा नहीं छोड़ रही है। ताज़ा मामला नॉर्वे का है, जहाँ की मशहूर राजदूत मोना जूल को एपस्टीन से रिश्तों के चलते अपना पद छोड़ना पड़ा है। अमेरिका की तरफ से जारी की गई फाइलों में जब मोना जूल और एपस्टीन के बीच कनेक्शन की बात सामने आई, तो नॉर्वे के विदेश मंत्रालय ने उन पर एक्शन लिया। नॉर्वे के विदेश मंत्री एस्पेन बार्थ ईडे ने साफ कहा कि एपस्टीन जैसे अपराधी के साथ संपर्क रखना "सोच-समझ की भारी कमी" को दर्शाता है। इस वजह से अब उन पर भरोसा करना मुश्किल है। मोना जूल कोई मामूली डिप्लोमैट नहीं थीं। वो इजरायल, ब्रिटेन और UN में नॉर्वे की राजदूत रह चुकी हैं। सबसे बड़ी बात ये कि 90 के दशक में इजरायल-फिलिस्तीन के बीच हुए मशहूर 'ओस्लो समझौते' (Oslo Accords) में उनकी बहुत बड़ी भूमिका थी। यह मामला सिर्फ नॉर्वे तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे यूरोप में हड़कंप मचा हुआ है: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के चीफ ऑफ स्टाफ, मॉर्गन मैक्स्वीनी ने भी इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने गलती मानी कि उन्होंने पीटर मेंडलसन को अमेरिका का राजदूत बनाने की सलाह दी, जबकि उनके भी एपस्टीन से रिश्ते जगजाहिर थे। मोना जूल के पति तेर्जे रोड-लार्सन (जो खुद एक बड़े डिप्लोमैट हैं) भी एपस्टीन से संबंधों के लिए माफी मांग चुके हैं। अब सरकार उस थिंक टैंक (IPI) की फंडिंग की भी जांच कर रही है, जिसे वो चलाते थे।

जापान में साने ताकाइची की बड़ी जीत, पीएम मोदी बोले- वैश्विक साझेदारी और मजबूत होगी

फ्रांस से होगी बड़ी रक्षा डील: SCALP मिसाइलों के साथ 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदे जाएंगे

भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग को लेकर दो अहम खबरें सामने आई हैं जो भारत की सैन्य तैयारी, वायु शक्ति और सामरिक सोच की नई दिशा को दिखाती हैं। एक तरफ लंबी दूरी की स्कैल्प क्रूज मिसाइलों के लिए हजारों करोड़ रुपये का प्रस्तावित सौदा चर्चा में है तो दूसरी तरफ 114 राफेल युद्धक विमानों की खरीद को मंजूरी मिलने की संभावना तेज हो गई है। इन दोनों घटनाओं को साथ रखकर देखें तो साफ दिखता है कि भारत अपनी वायु शक्ति को नई धार देने के चरण में है। स्कैल्प मिसाइल सौदे की बात करें तो आपको बता दें कि भारत और फ्रांस के बीच करीब 3200 करोड़ रुपये के स्कैल्प मिसाइल सौदे पर बातचीत अंतिम दौर में बताई जा रही है। स्कैल्प एक लंबी दूरी की एयर टू सरफेस क्रूज मिसाइल है, जिसे बहुत सटीक प्रहार के लिए जाना जाता है। इसकी मारक दूरी 250 किलोमीटर से अधिक बताई जाती है और यह दुश्मन के मजबूत हवाई रक्षा तंत्र को चकमा देकर अपने लक्ष्य तक पहुंचने में सक्षम है। इन मिसाइलों का महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि भारतीय वायु सेना पहले ही इनका उपयोग ऑपरेशन सिंदूर में कर चुकी है। उस अभियान में कई अहम आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया और बताया गया कि मिसाइलों ने तय लक्ष्य पर बेहद सटीक प्रहार किया। इस अनुभव ने यह भरोसा मजबूत किया कि ऐसी मिसाइलें भविष्य के किसी भी टकराव में भारत को दूर से सटीक प्रहार की ताकत देती हैं।

स्कैल्प जैसी मिसाइलें पारंपरिक सीमा संघर्ष से आगे की सोच को दिखाती हैं। अब युद्ध केवल सीमा पर तैनात सैनिकों का मामला नहीं रह गया है, बल्कि दूर बैठे दुश्मन के कमांड सेंटर, हथियार भंडार, आतंकी ढांचे और अहम ठिकानों को बिना सीमा पार किए निशाना बनाने की क्षमता भी उतनी ही जरूरी हो गई है। इस नजरिए से यह सौदा भारत की गहरी प्रहार क्षमता को मजबूत करता है।

ट्रम्प ने वर्ल्डकप के लिए खिलाड़ियों को दी बधाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत में चल रहे टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप के दौरान टीम USA को शुभकामनाएं दी हैं। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि पूरा देश टीम USA का समर्थन कर रहा है। उन्होंने कहा, "मुझे अभी पता चला कि भारत में क्रिकेट वर्ल्ड कप चल रहा है! मैं टीम USA को शुभकामनाएं देता हूं। हमारी टीम बहुत मजबूत है और पूरा अमेरिका आपके साथ है।"इस संदेश के माध्यम से ट्रम्प ने अमेरिकी क्रिकेट खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के साथ-साथ क्रिकेट को अमेरिका में और लोकप्रिय बनाने की संभावनाओं को भी रेखांकित किया। उनका यह बयान अमेरिका में क्रिकेट के प्रति बढ़ती रुचि और ग्लोबल स्तर पर टीम के प्रदर्शन को मान्यता देने के तौर पर देखा जा रहा है।भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी इस अवसर पर प्रतिक्रिया दी और राष्ट्रपति ट्रम्प को धन्यवाद दिया। उन्होंने लिखा, "काइंड वर्ड्स के लिए धन्यवाद मिस्टर प्रेसिडेंट।" यह संवाद दिखाता है कि अमेरिका में क्रिकेट को लेकर उत्साह और समर्थन का स्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है।हालांकि अमेरिका में क्रिकेट अभी भी मुख्यधारा का खेल नहीं माना जाता, लेकिन टीम USA के अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूत प्रदर्शन ने देश और दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। ट्रम्प का यह संदेश अमेरिकी खिलाड़ियों के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ-साथ वैश्विक क्रिकेट समुदाय में अमेरिका की मौजूदगी को भी मजबूत करता है।टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान इस तरह की उच्चस्तरीय सराहना टीम USA के लिए एक सकारात्मक संकेत है और यह उम्मीद जताती है कि आने वाले समय में अमेरिका में क्रिकेट की लोकप्रियता और प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन में वृद्धि होगी। राष्ट्रपति ट्रम्प का संदेश न केवल टीम USA के लिए बल्कि अमेरिकी क्रिकेट के पूरे ढांचे के लिए उत्साहवर्धक साबित हो रहा है।इस प्रकार, ट्रम्प का समर्थन अमेरिकी क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण पल है, जो खिलाड़ियों में आत्मविश्वास और खेल के प्रति देशव्यापी उत्साह दोनों को बढ़ावा देता है।

NCP नेता शरद पवार की तबीयत खराब, गले के संक्रमण के बाद पुणे अस्पताल में भर्ती

पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार, 85 वर्ष, को सोमवार दोपहर गले में खराश और खांसी की शिकायत के बाद बारामती स्थित उनके आवास से पुणे के एक अस्पताल में ले जाया जा रहा था। एनसीपी (एसपी) प्रमुख के भतीजे श्रीनिवास पवार ने बताया कि पवार को कल रात से लगातार खांसी आ रही थी और सीने में जकड़न के लक्षण दिखाई दे रहे थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने के लिए पुणे ले जाया गया। रूबी हॉल क्लिनिक के मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ और प्रबंध न्यासी डॉ. परवेज़ ग्रांट ने इस घटनाक्रम की पुष्टि की। डॉ. ग्रांट ने कहा कि पहुँचने पर डॉक्टरों की एक टीम उनकी जाँच करेगी और उसके अनुसार आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। शरद पवार मुख कैंसर से उबर चुके हैं, जिसका निदान 1990 के दशक के उत्तरार्ध में हुआ था। उन्होंने इस बीमारी के इलाज के लिए अमेरिका और भारत में कई सर्जरी करवाईं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) नेता रोहित पवार ने शनिवार को कहा कि हवाई दुर्घटना में अजित पवार की मौत की परिस्थितियों के बारे में सभी को संदेह है और वह 10 फरवरी को इस बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति देंगे। बारामती में जिला परिषद चुनाव में अपना वोट डालने के बाद पत्रकारों से बातचीत में विधायक ने कहा कि अजित पवार चाहते थे कि राकांपा के दोनों गुट एकजुट हो जाएं और विलय की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे। महाराष्ट्र में 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के लिए चुनाव शनिवार को हुए। यह मतदान मूल रूप से पांच फरवरी को होना था, लेकिन 28 जनवरी को उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु और इसके बाद तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

संपादक की कलम से

लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि हर नागरिक और हर राजनीतिक दल को अपने विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही वजह है कि संसद जैसी संस्थाएं केवल कानून बनाने का माध्यम नहीं, बल्कि विचारों के खुले आदान-प्रदान का मंच भी हैं। लेकिन जब विपक्ष को बोलने और अपनी चिंताओं को उठाने की अनुमति नहीं दी जाती, तो लोकतंत्र की नींव ही कमजोर होने लगती है। हाल ही में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अपने विचार व्यक्त करने की अनुमति न दिए जाने की घटना इस दृष्टि से चिंताजनक है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने इसे लेकर कहा कि यह लोकतंत्र नहीं है, जब विपक्ष के नेताओं का गला ही घोंट दिया जाता है। लोकसभा और राज्यसभा जैसे संसदीय मंच केवल सत्ता पक्ष का अधिकार क्षेत्र नहीं हैं। यहां हर दल का प्रतिनिधित्व होता है और हर मुद्दे पर चर्चा का हक उन्हें भी होना चाहिए। अगर किसी भी नेता को बोलने की अनुमति नहीं दी जाती, तो यह केवल संसदीय परंपराओं का उल्लंघन नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना का अपमान भी है। विपक्ष का काम सरकार के कामकाज पर सवाल उठाना, नीतियों की आलोचना करना और जनता के सामने सच को पेश करना है। अगर इसे दबा दिया जाए, तो लोकतंत्र केवल नाममात्र का रह जाता है। विपक्ष को दबाने की प्रवृत्ति लंबे समय से चिंता का विषय रही है। सत्ता पक्ष के दबाव में संसदीय संचालन की स्वतंत्रता सीमित होती जा रही है। इस प्रकार की घटनाएं आम जनता में यह संदेश देती हैं कि सरकार आलोचना को सहन नहीं करती और बहुमत के बल पर लोकतंत्र की मूलभूत परिकल्पनाओं को दरकिनार कर रही है। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल सत्ता के खेल तक सीमित नहीं है; यह सभी वर्गों, विचारधाराओं और भाषणों को सम्मान देने की प्रणाली है। लोकतंत्र में बहस का अवसर सभी को बराबर मिलना चाहिए। यदि विपक्ष को लगातार रोका जाए, अगर उनके मुद्दों को अनसुना किया जाए, तो इससे न केवल संसद का महत्व कम होता है, बल्कि जनता के अधिकारों और आवाज़ पर भी प्रश्न उठते हैं। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष का उद्देश्य केवल शासन करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्य और प्रक्रिया का सम्मान करना भी होना चाहिए। अंततः यह याद रखना होगा कि विपक्ष का दबना सिर्फ राजनीतिक दृष्टि से नुकसानदेह नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक तंत्र के लिए भी खतरा है। लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब सत्ता और विपक्ष दोनों स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से काम कर सकें। हर सांसद को बोलने का अधिकार मिलना चाहिए, और हर विचार को समान रूप से महत्व दिया जाना चाहिए। यदि हम इस मूलभूत सिद्धांत को भूल जाते हैं, तो लोकतंत्र केवल नाममात्र का रह जाएगा। आज समय है कि संसदीय कार्यों में निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि रखा जाए। विपक्ष को घुटने नहीं टेकरना चाहिए, और सत्ता पक्ष को इसे दबाने की बजाय संवाद और बहस के माध्यम से समाधान निकालने का अवसर देना चाहिए। यही लोकतंत्र की सच्ची परीक्षा है।

लोकसभा में हंगामे पर प्रियंका गांधी का हमला:

'विपक्ष का गला घोंटा जा रहा'

लोकसभा में राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न मिलने पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकतंत्र पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष का गला घोंटना हास्यास्पद और अनुचित है। प्रियंका ने स्पीकर ओम बिरला और सरकार पर दबाव में बयान देने का आरोप लगाते हुए लोकतंत्र और सांसदों के अधिकार की रक्षा की मांग की।

लोकसभा में राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न दिए जाने के मामले को लेकर मचे हंगामे के बीच कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को कहा कि यह लोकतंत्र नहीं है जहां विपक्ष के नेता को अपने विचार रखने की अनुमति ही न दी जाए। मीडिया से बातचीत में प्रियंका गांधी ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी को केवल एक मिनट के लिए भी बोलने की अनुमति न देना हास्यास्पद और चिंताजनक है।प्रियंका ने कहा, "यह बहुत दुखद है कि हम सदन (लोकसभा) जाते हैं और बस बाहर आ जाते हैं। विपक्ष के नेता को एक मिनट भी बोलने की अनुमति नहीं दी जाती। यह हास्यास्पद है। यह लोकतंत्र नहीं है। हम यहाँ किसलिए आते हैं? उन्हें बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए।" उनके अनुसार यह केवल एक व्यक्तिगत मामला नहीं है, बल्कि लोकतंत्र और संसद की गरिमा का मामला है।घटना तब हुई जब विपक्ष ने राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न दिए जाने का विरोध करते हुए कई बार सदन को स्थगित किया। इसके बाद जब सदन फिर से शुरू हुआ, तो प्रियंका गांधी ने इस पूरी स्थिति की गंभीरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी ने सदन में कहा कि उन्हें पहले आश्वासन दिया गया था कि वे अपने विचार व्यक्त कर सकते हैं। राहुल गांधी ने सदन में कहा, "एक घंटे पहले सदन का एक सदस्य अध्यक्ष के पास गया था। अध्यक्ष ने हमें आश्वासन दिया कि मुझे यहां बोलने और बजट चर्चा से पहले कुछ मुद्दे उठाने की अनुमति दी जाएगी। अब आप अपने वादे से मुकर रहे हैं। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि क्या मुझे ये मुद्दे उठाने की अनुमति है या नहीं?"प्रियंका गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर भी निशाना साधा। उन्होंने उस बयान को पूरी तरह गलत करार दिया, जिसमें स्पीकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सदन में न आने का आग्रह किया था। स्पीकर का यह बयान तब आया जब उन्हें सूचना मिली कि कुछ कांग्रेस सांसद प्रधानमंत्री की सीट के पास आकर असामान्य घटना कर सकते हैं। प्रियंका ने कहा कि यह बयान सरकार के दबाव में दिया गया और वास्तविकता से परे है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला सांसद प्रधानमंत्री पर हाथ नहीं उठा सकतीं और उनके खिलाफ यह आरोप सरासर गलत है।प्रियंका ने कहा, "मैं पहले ही कह चुकी हूं कि स्पीकर का अपमान हुआ है और उन पर इतना दबाव है कि उन्हें खुद बयान देने पड़ रहे हैं। महिला सांसद प्रधानमंत्री पर हाथ नहीं उठा सकती। मैं और मेरे साथ 11 अन्य महिला सांसद हैं, और यह बयान पूरी तरह गलत है। इसे केवल सरकार के दबाव में प्रस्तुत किया गया।"प्रियंका गांधी ने विपक्ष की भूमिका पर भी जोर दिया। उनका कहना था कि विपक्ष केवल आलोचना करने के लिए नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराने और जनता के मुद्दों को उठाने के लिए है। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्ष की आवाज़ दबाना लोकतंत्र के लिए खतरा है। राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न देना इस बात का संकेत है कि सरकार विपक्ष की आवाज़ से डर रही है।प्रियंका गांधी ने केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बयान की भी आलोचना की, जिसमें उन्होंने विपक्ष के लगातार व्यवधान पैदा करने पर नाराजगी जताई थी। प्रियंका ने कहा कि विपक्ष का काम ही है सरकार के निर्णयों और नीतियों पर सवाल उठाना और उन्हें जवाबदेह ठहराना। उन्होंने जोर दिया कि लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं है, बल्कि सभी पक्षों के अधिकारों की रक्षा और सुनवाई भी है।प्रियंका गांधी ने यह स्पष्ट किया कि यह मामला केवल कांग्रेस का नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र का मामला है। उन्होंने कहा कि सांसदों को अपने अधिकारों का इस्तेमाल करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न देना सिर्फ विपक्ष की आवाज़ दबाने के बराबर है, बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ भी है।प्रियंका गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा और संसद की गरिमा के लिए हर सांसद को बोलने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्ष का गला घोंटना लोकतंत्र के लिए हानिकारक है और सरकार को इसे रोकने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।इस पूरे घटनाक्रम ने संसद में विपक्ष के अधिकारों और लोकतंत्र की भूमिका पर गंभीर बहस शुरू कर दी है। प्रियंका गांधी का बयान स्पष्ट रूप से यह संदेश देता है कि लोकतंत्र तभी मजबूत रहेगा जब हर सांसद को अपने विचार रखने की स्वतंत्रता हो और सरकार इस प्रक्रिया का सम्मान करे।

गौरव गोगोई का हमला:

हिमंता बिस्वा सरमा CM की कुर्सी के लायक नहीं

असम कांग्रेस अध्यक्ष और जोरहाट सांसद गौरव गोगोई ने सोमवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के 'पाकिस्तान कनेक्शन' के आरोपों पर पलटवार करते हुए सुप्रीम कोर्ट से मुख्यमंत्री के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने बच्चों की जानकारी मीडिया में लीक की है। मुख्यमंत्री सरमा ने एक विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट जारी करते हुए आरोप लगाया कि गौरव गोगोई, उनकी ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न गोगोई और एक पाकिस्तानी नागरिक अली तौकीर शेख के बीच गहरे संबंध हैं। गुवाहाटी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गौरव गोगोई ने मुख्यमंत्री सरमा पर अपने बच्चों की जानकारी लीक करने के लिए जमकर निशाना साधा और उन्हें मुख्यमंत्री पद के लिए अयोग्य बताया। उन्होंने कहा कि वह इतनी नीच हरकत पर उतर आए कि उन्होंने मेरे बच्चों से जुड़ी जानकारी भी लीक कर दी। हम भी उनके बच्चों के बारे में जानते हैं; सबको पता है, लेकिन हम इसे उजागर नहीं करना चाहते। उन्होंने साबित कर दिया है कि वे मुख्यमंत्री की कुर्सी के लायक नहीं हैं। उनकी बातों से असम शर्मसार हुआ है। वे झूठी जानकारी क्यों फैला रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट को उनके खिलाफ स्वतः संज्ञान लेना चाहिए। अपने ऊपर लगे आरोपों का खंडन करते हुए गौरव गोगोई ने कहा कि एसआईटी कोई सबूत पेश नहीं कर सकी। उन्होंने कहा कि कल ढाई घंटे लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा कोई भी ऐसा सबूत पेश नहीं कर सके जिससे यह साबित हो सके कि मैं किसी दूसरे देश का एजेंट हूं। वे गोलमोल बातें करते रहे। उनके पास पिछले छह महीनों से एसआईटी की रिपोर्ट है। पिछले साल उन्होंने कहा था कि वे 10 सितंबर को एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे। अगर यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है, तो हमारा सिर्फ एक ही सवाल है: मुख्यमंत्री पिछले छह महीनों से इस रिपोर्ट पर चुप क्यों रहे? इसका कारण यह है कि उनके द्वारा गठित एसआईटी कोई सबूत पेश करने में असफल रही।

मोहन भागवत का दावा:

'बीजेपी के अच्छे दिन RSS की वजह से आए'

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मुंबई में दिए अपने संबोधन में ऐसे कई मुद्दों पर विचार रखे जिनका असर राजनीति, समाज और जनचर्चा, तीनों पर देखा जा रहा है। मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने भाजपा, समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी, संघ के नेतृत्व, जाति के सवाल और हिंदुत्व और सनातन संस्कृति तक पर खुलकर विचार रखे। उनके वक्तव्य को संघ और भाजपा के रिश्तों के संदर्भ में खास महत्व दिया जा रहा है। सबसे अधिक चर्चा उस बात की रही जिसमें भागवत ने कहा कि भाजपा के अच्छे दिन संघ के लंबे समय से चल रहे काम और सहयोग की वजह से आए हैं, यह नहीं कि संघ को भाजपा से अच्छे दिन मिले। उन्होंने साफ कहा कि संघ ने समाज में संगठन, विचार और कार्यकर्ता तैयार करने का काम दशकों से किया है। जब कोई राजनीतिक दल उन विचारों के साथ खड़ा होता है और समाज के बीच काम करता है तो उसे लाभ मिलता है। इस तरह उन्होंने भाजपा की सफलता के पीछे संघ की बुनियादी भूमिका को रेखांकित किया। उनका यह बयान इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए संघ पर निर्भर नहीं है। उस समय इस बयान को भाजपा की आत्मनिर्भर छवि गढ़ने की कोशिश के रूप में देखा गया था। लेकिन लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। कई राजनीतिक जानकारों ने तब कहा था कि जमीनी स्तर पर संघ के कार्यकर्ता तंत्र की सक्रियता पहले जैसी नहीं दिखी। हालांकि बाद में संबंधों में सुधार देखा गया और गलतफहमी दूर कर संघ और भाजपा ने ऐसा समन्वय बनाया कि तब से अधिकांश विधानसभा चुनावों में भाजपा को शानदार जीत मिली है। ऐसे माहौल में भागवत का यह कहना कि भाजपा के अच्छे दिन संघ के सहयोग से आए, एक तरह से नड्डा के बयान का अप्रत्यक्ष जवाब माना जा रहा है। यह एक तरह से संदेश भी है कि संघ और भाजपा का रिश्ता केवल औपचारिक नहीं बल्कि गहरे सामाजिक आधार पर टिका है।

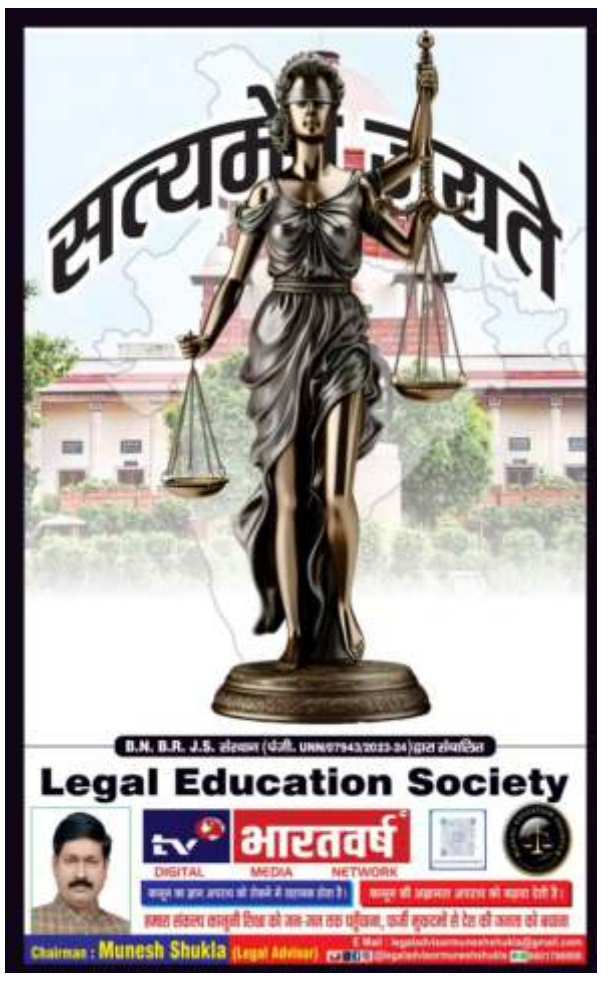

रूबल नागी को मिला विश्व का सबसे बड़ा 'ग्लोबल टीचर पुरस्कार',

*भारत की बेटी ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहराया है। शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अपने क्रांतिकारी और समर्पित प्रयासों के लिए **रूबल नागी**, भारतीय महिला शिक्षिका ने प्रतिष्ठित **'ग्लोबल टीचर प्राइज 2026'** अपने नाम किया है। यह पुरस्कार वर्की फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जाता है और इसे शिक्षा जगत का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है। इस सम्मान के साथ रूबल को **1 मिलियन अमेरिकी डॉलर** यानी लगभग **8.3 करोड़ रुपये** की पुरस्कार राशि भी दी गई है। रूबल नागी की इस जीत ने न केवल भारत के लिए गर्व का क्षण पैदा किया है, बल्कि यह साबित किया कि समर्पण, नवाचार और दृढ़ इच्छा शक्ति से एक शिक्षक समाज की दिशा बदल सकता है। रूबल ने अपने पूरे करियर को **वंचित क्षेत्रों में बच्चों की शिक्षा, लड़कियों के सशक्तिकरण और डिजिटल साक्षरता** को बढ़ावा देने के लिए समर्पित किया। उन्होंने पारंपरिक रटंत विधाओं के बजाय **खेल-कूद, व्यावहारिक प्रयोग और नवाचार आधारित शिक्षण** को अपनाया। पुरस्कार समिति के अनुसार, रूबल की विकसित की गई शिक्षण पद्धतियों ने छात्रों के परिणामों में सुधार किया और स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की दर में कमी लाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद तकनीक का बेहतरीन उपयोग किया और यह दिखाया कि एक महान शिक्षक के लिए कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। 'ग्लोबल टीचर प्राइज' को शिक्षा जगत का **'नोबेल पुरस्कार'** माना जाता है। इस वर्ष इस पुरस्कार के लिए दुनिया भर के **120 से अधिक देशों के हजारों शिक्षकों** ने आवेदन किया। कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद रूबल नागी को शीर्ष 10 फाइनलिस्टों में जगह मिली और अंततः उन्हें विजेता घोषित किया गया। यह उपलब्धि उनके मेहनत, नवाचार और बच्चों के प्रति समर्पण का प्रत्यक्ष प्रमाण है।*

*विजेता बनने के बाद रूबल नागी ने कहा, **"यह सम्मान मेरा नहीं है, बल्कि उन सभी शिक्षकों का है जो हर दिन बच्चों के भविष्य के लिए संघर्ष करते हैं। यह पुरस्कार मुझे और अधिक बच्चों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करेगा।"** उन्होंने यह भी घोषणा की कि पुरस्कार राशि का एक बड़ा हिस्सा **ग्रामीण स्कूलों के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और शिक्षकों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने** में खर्च किया जाएगा। भारत के लिए यह उपलब्धि गौरवपूर्ण है। इससे पहले साल 2020 में महाराष्ट्र के **रणजीतसिंह डिसले** ने यह पुरस्कार जीतकर देश का नाम रोशन किया था। अब 2026 में एक भारतीय महिला की इस जीत ने देश की **गौरवशाली गुरु-शिष्य परंपरा** को एक नई वैश्विक पहचान दी है। रूबल नागी की इस सफलता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि **भारत के शिक्षक वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता और नवाचार के लिए पूरी तरह सक्षम हैं।** उनकी यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे देश, शिक्षकों और बच्चों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह दिखाता है कि एक शिक्षक समाज में बदलाव लाने और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। इस तरह, रूबल नागी की जीत ने भारत के शिक्षा क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर गौरव दिलाया और यह संदेश दिया कि समर्पण, नवाचार और मेहनत से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।*

जम्मू-कश्मीर पहली बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

रणजी ट्रॉफी 2025-26 के तीन क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के रिजल्ट आ चुके हैं। जम्मू कश्मीर ने इतिहास रचते हुए मध्य प्रदेश को हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। वहीं, कर्नाटक की टीम ने मुंबई को हराकर सेमीफाइनल में एंट्री की है। टीम इंडिया के स्टार ओपनर केएल राहुल ने बेहतरीन शतक जड़ा और प्लेयर ऑफ द मैच भी बने। जमशेदपुर में पहले बैटिंग करने उतरी होम टीम 235 रन ही बना सकी। आदित्य सिंह ने 83 रन बनाए। उत्तराखंड ने अवनीश सुधा, कप्तान कुणाल चंदेला और जगदीश सुचित की फिफ्टी के दम पर 371 रन बना दिए। तीसरे दिन झारखंड 130 रन ही बना सका। इसी के साथ उत्तराखंड ने पारी और 6 रन से मुकाबला जीत लिया। टीम ने पहली बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में एंट्री की है। जम्मू-कश्मीर की टीम ने इतिहास रचते हुए क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश को 56 रन से हराया। पहली बार जम्मू-कश्मीर की टीम ने रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस मैच में आकिब नबी ने पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर कुल 12 विकेट मैच में झटके। इस खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। इंदौर के होलकर स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए जम्मू-कश्मीर 194 रन पर ऑलआउट हो गया। शुभम खजुरिया ने 60 और युद्धवीर सिंह चरक ने 41 रन बनाए। कुलदीप सेन ने 5 विकेट लिए। मध्य प्रदेश अपनी पहली पारी में 152 रन पर ही सिमट गया। यश दुबे ने फिफ्टी लगाई। जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी ने 40 रन देकर 7 विकेट लिए। सुनील कुमार को 3 विकेट मिले।

जिम्बाब्वे की शानदार जीत,

ओमान को 8 विकेट से हराया

रिंकू IPL के बाद सांसद प्रिया संग सात फेरे लेंगे, शादी काशी में; गेस्ट लिस्ट छोटी रखी गई

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज इसी साल जून में 7 फेरे लेंगे। दोनों की शादी काशी में होगी। परिवार ने सियासत से बचने को गेस्ट लिस्ट छोटी बनाई है। पिछले साल 8 जून को लखनऊ में रिंकू और प्रिया की रिंग सेरेमनी हुई थी। इसके बाद नवंबर, 2025 में शादी की डेट फिक्स हुई थी। लेकिन, शादी नहीं हो पाई थी। फिर फरवरी, 2026 की तारीख तय हुई, लेकिन T-20 वर्ल्ड कप और IPL के चलते अब इसे जून के लिए शेड्यूल किया गया है। रिंकू के बड़े भाई सोनू सिंह ने बताया- शादी के लिए पहले 11 और 12 जून की तारीखों पर चर्चा थी। लेकिन IPL फाइनल की व्यस्तता को देखते हुए रिंकू ने नई तारीख निकलवाने को कहा है। सोनू सिंह ने कहा- IPL, 26 मार्च से 31 मई के बीच प्रस्तावित है। जब रिंकू IPL से फ्री होंगे, तभी शहनाई बजेगी। फिलहाल शादी काशी में होगी और रिसेप्शन अलीगढ़ में रखा जाएगा। शादी में रिंकू सिंह की तरफ से परिवार और कुछ रिश्तेदारों को मिलाकर करीब 10 से 12 लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। इसके पीछे की वजह बड़ी दिलचस्प है। दरअसल, दूल्हा पक्ष के कई करीबी भाजपा से जुड़े हैं, जबकि दुल्हन खुद सपा सांसद हैं। इसलिए न्योता देने के लिए काफी सोच-विचार करके ही इस पर निर्णय लिया गया है। गेस्ट लिस्ट काफी छोटी बनाई गई है।

टीम इंडिया का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य:

क्या होस्ट बनकर पहला खिताब जीत पाएगी?

टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में शुरू हो चुका है। टूर्नामेंट के शुरुआती 2 दिन बड़े उलटफेर तो नहीं हुए, लेकिन नीदरलैंड, नेपाल और अमेरिका जैसी एसोसिएट टीमों ने अपने प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। अमेरिका ने तो होस्ट नेशन भारत की धड़कनें बढ़ा दी थीं।

सबसे छोटे फॉर्मेट के वर्ल्ड कप में ऐसा पहली बार नहीं है जब होस्ट टीम को परेशानी झेलनी पड़ी। अब तक 9 बार हुए टूर्नामेंट में एक भी होम टीम टाइटल नहीं जीत सकी। श्रीलंका 2012 में फाइनल तक पहुंचने वाली इकलौती टीम है। वहीं टीम इंडिया 2016 में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। दोनों को ही वेस्टइंडीज से हारकर बाहर होना पड़ा। वर्ल्ड कप 11 से 24 सितंबर तक साउथ अफ्रीका की मेजबानी में खेला गया। ग्रुप स्टेज में टीम ने वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को हराकर मजबूत शुरुआत की। सुपर-8 में टीम के साथ भारत, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड आ गई। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड को तो टीम ने हराकर अपना विनिंग मोमेंटम कायम रखा। हालांकि, आखिरी सुपर-8 मैच में टीम भारत के खिलाफ 37 रन से हारकर सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी। भारत ने ही खिताब भी जीता। 5 से 21 जून तक इंग्लैंड में टूर्नामेंट खेला गया। टीम को ओपनिंग मुकाबले में ही नीदरलैंड के खिलाफ 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ गया।

स्कॉटलैंड की धमाकेदार जीत: इटली को 73 रन से हराया,

वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया; जॉर्ज मुन्से का अर्धशतक

स्कॉटलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। सोमवार को ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड ने डेब्यू कर रही इटली टीम को 73 रन से शिकस्त दी। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इटली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन स्कॉटलैंड के बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 207 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। टारगेट का पीछा करते हुए इटली की टीम 17.4 ओवर में 9 विकेट खोकर 134 रन ही बना सकी। इटली के कप्तान वेन मैडसेन कंधे में चोट के कारण बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं उतर सके। स्कॉटलैंड की जीत में ओपनर जॉर्ज मुन्से की अर्धशतकीय पारी अहम रही। मुन्से ने 84 रन बनाए, जबकि उनका विकेट ग्रांट स्टीवर्ट ने लिया, जो इटली के टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का पहला विकेट भी रहा। इटली की टीम इस टूर्नामेंट के जरिए पहली बार वर्ल्ड कप में उतरी है। मुन्से के अलावा ब्रैंडन मैकमुलेन ने नाबाद 41 रन बनाए और माइकल जोन्स ने 37 रन का योगदान दिया। वहीं, माइकल लीस्क ने महज 5 गेंदों पर नाबाद 22 रन ठोके और गेंदबाजी में भी 4 विकेट झटके। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्कॉटलैंड की पारी की नींव मुन्से और जोन्स के बीच पहले विकेट के लिए हुई 126 रन की शानदार साझेदारी ने रखी। इटली की ओर से गेंदबाजी में ग्रांट स्टीवर्ट, अली हसन, थॉमस ड्राका और जेजे स्मट्स को एक-एक विकेट मिला। इटली के लिए बेन मैनेंटी (28 साल) ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 31 बॉल पर 52 रन बनाए। उनके अलावा उनके छोटे भाई हैरी मैनेंटी (25 साल) ने 37 रन की पारी खेली। दोनों भाइयों के बीच चौथे विकेट 46 बॉल पर 73 रन की पार्टनरशिप हुई। स्कॉटलैंड के लिए माइकल लीस्क ने 4 विकेट झटके। मार्क वॉट ने 2 विकेट लिए। ब्रैड करी, ब्रैड व्हील और ओलिवर डेविडसन को 1-1 विकेट मिला।

रील के चक्कर में महिला ने मारी लड़की को लात

मेट्रो या मनोरंजन का अड्डा?

दिल्ली मेट्रो में आए दिन ऐसे वीडियो वायरल होते हैं, जो सिविक सेंस पर सवाल खड़े कर देते हैं. कभी कोई सीट के लिए लड़ते हुए दूसरे का बाल नोचता दिख जाता है, तो कभी कोई मेट्रो के अंदर बेहूदा डांस करता नजर आता है.

दिल्ली मेट्रो अब वायरल कंटेंट का हॉटस्पॉट बनती जा रही है. (Photo:X/@Gharkaklesh)

दिल्ली मेट्रो अब सिर्फ सफर का जरिया नहीं रही, बल्कि आए दिन वायरल कंटेंट का हॉटस्पॉट बनती जा रही है. कभी यात्रियों के बीच झगड़े, कभी अचानक डांस परफॉर्मेंस, तो कभी अजीबोगरीब हरकतें.मेट्रो में सफर करने वालों को हर बार कुछ नया देखने को मिल ही जाता है.

अब एक ऐसा ही वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला अपनी ही दोस्त को मेट्रो कोच से लात मारकर बाहर निकालती नजर आ रही है. यह वीडियो ऐसे समय पर सामने आया है, जब कुछ दिन पहले ही दिल्ली मेट्रो में दो महिलाओं के बाल खींचते हुए झगड़े का वीडियो वायरल हुआ था. स्ट्रैप पकड़कर झूलती है और दोस्त को लात मार देती है. वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक महिला कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए पोज देती है. इसके बाद वह सिर घुमाकर अपनी दोस्त की ओर इशारा करती है, जो जंपसूट पहने मेट्रो के दरवाजे के पास खड़ी होती है. अचानक महिला कोच की रेलिंग से लटकी स्ट्रैप पकड़ती है और झूले की तरह अपने पैर आगे बढ़ाकर दोस्त को हल्की लेकिन साफ तौर पर धक्का देती है. उसी पल मेट्रो के दरवाजे खुल जाते हैं और दूसरी महिला लड़खड़ाते हुए बाहर गिर जाती है. ⊙

मछली का गॉलब्लैडर कच्चा चबा गई महिला!

मछली का पित्ताशय यानी गॉलब्लैडर आर्सेनिक से भी अधिक विषैला होता है. इसका कुछ ग्राम भी किसी व्यक्ति पर जहर जैसा असर दिखा सकता है.

वहीं अधिक मात्रा जानलेवा साबित हो सकती है. इसके बावजूद पूर्वी चीन की एक महिला ने सिरदर्द से राहत पाने के चक्कर में मछली का पित्ताशय कच्चा चबा गई. कुछ ही घंटों बाद उसे अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराना पड़ा. ⊙

कैप्सूल जैसे कमरे का वीडियो देख लोग हैरान

व्लॉगर ने दिखाया लंदन का सबसे छोटा होटल रूम

ब्रिटेन घूमने आए एक ट्रैवल कंटेंट क्रिएटर ने हाल ही में यूके के सबसे छोटे होटल रूम में रात बिताई और उसका अनुभव सोशल मीडिया पर साझा किया. हैरानी की बात यह है कि यह बेहद छोटा कमरा लंदन के बिल्कुल बीचों-बीच, यानी सेंट्रल लंदन में मौजूद है, जहां आम तौर पर एक रात ठहरने का खर्च काफी ज्यादा होता है.

इस छोटे से होटल रूम की कीमत सुनकर लोग चौंक गए. व्लॉगर के मुताबिक, उसे यह कमरा सिर्फ 20 पाउंड में मिला. उसने कहा कि इतनी कम कीमत में अगर साफ बिस्तर, शानदार लोकेशन और साफ-सुथरे बाथरूम मिल जाएं, तो इसे खराब सौदा कहना गलत होगा.

वीडियो में देखा जा सकता है कि यह कमरा किसी कैप्सूल जैसा है. जगह बेहद सीमित है, लेकिन फिर भी इसमें जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं. कंटेंट क्रिएटर बताता है कि कमरा देखने में छोटा जरूर है, लेकिन साफ-सुथरा और व्यवस्थित है. ⊙

बच्चों की परवरिश और नींद की कमी ने तोड़ा हौसला

छोटे बच्चों से तंग आकर मां ने बुलाई पुलिस

अमेरिका के यूटा में महिला ने 911 डायल किया, तो यह किसी क्राइम या मेडिकल इमरजेंसी में मदद मांगने के लिए नहीं था. वह घर पर अपने चार छोटे-छोटे बच्चों के साथ अकेली थी.

उसका पति काम पर था. तभी उसके साथ कुछ ऐसी अजीब स्थिति बन गई कि उसे पुलिस बुलानी पड़ी. द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह कहानी काइली ग्राइम्स नाम की महिला की है.

उनके पति काइल देर रात तक अपने ऑफिस में थे और वह अपने चार छोटे बच्चों की देखभाल अकेले कर रही थीं. कई हफ्तों तक लगातार दो घंटे से भी कम देर तक सोने के कारण काइली पूरी तरह से थक चुकी थी. घड़ी में रात के 10 बजने वाले थे. बच्चों को खाना अभी तक परोसा नहीं गया था. तभी

काइली का सबसे छोटा बेटा घर में एक गमले में लगा पौधा कुतरने लगा और उसकी मिट्टी भी खाने लगा. काइली ने बताया कि ऐसा लगा जैसे सब कुछ एक साथ हो गया हो.महीनों तक बहुत कम नींद के साथ काम करने के बाद मैं पूरी तरह से थक चुकी थी. मेरे पति देर तक काम कर रहे थे और घर पर नहीं थे.

मैं शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से थकी हुई थी. हाल ही में उसके दो बच्चों में टाइप 1 डाइबिटीज का पता चला था. ⊙

वाराणसी में दिखेगी रामायण की भव्य झलक

राजामौली बोले— शूट करना था बड़ी चुनौती

साउथ इंडियन सिनेमा के दिग्गज फिल्ममेकर एस.एस. राजामौली इन दिनों अपनी अगली मेगा बजट फिल्म 'वाराणसी' की तैयारियों में पूरी तरह व्यस्त हैं। इस फिल्म को लेकर इंडस्ट्री से लेकर दर्शकों तक जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट के जरिए ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा सालों बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं, जिससे फिल्म की चर्चा और भी तेज हो गई है। फिलहाल 'वाराणसी' की शूटिंग हैदराबाद में जारी है, लेकिन इसकी टीम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिल्म को प्रमोट करने में अभी से जुट गई है।हाल ही में एस.एस. राजामौली ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर अमेरिकन एंटरटेनमेंट वेबसाइट The Wrap से खास बातचीत की। इस इंटरव्यू में उन्होंने फिल्म की कहानी, इसके विशाल कैनवास और रामायण से जुड़े अहम हिस्से के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजामौली ने बताया कि उनकी यह फिल्म एक एपिक प्रोजेक्ट है, जिसमें कई कहानियां एक साथ दिखाई जाएंगी। इन कहानियों में भारतीय महाकाव्य रामायण से प्रेरित एक महत्वपूर्ण अंश भी शामिल है।डायरेक्टर ने खुलासा किया कि फिल्म में रामायण का एक पूरा एपिसोड दर्शाया जाएगा, जिसमें भगवान राम की भूमिका साउथ सुपरस्टार महेश बाबू निभाते नजर आएंगे। इस सीक्वेंस के बारे में बात करते हुए राजामौली ने कहा कि उनकी ज्यादातर फिल्में महाभारत और रामायण जैसे भारतीय महाकाव्यों से प्रेरित रही हैं। हालांकि, इस फिल्म में उन्हें पहली बार ऐसा मौका मिला है, जब वे रामायण के एक पूरे एपिसोड को विस्तार से और सीधे तौर पर पर्दे पर दिखा सके हैं।राजामौली के अनुसार, फिल्म का यह रामायण वाला एपिसोड कई छोटे-छोटे सब-एपिसोड्स को जोड़कर तैयार किया गया है। सभी हिस्सों को मिलाकर यह सीन करीब 25 मिनट लंबा है और फिल्म में यह केवल एक बार ही दिखाई देगा। उन्होंने बताया कि इन सभी सब-एपिसोड्स को शूट करना बेहद चुनौतीपूर्ण था। हर छोटा हिस्सा अपने आप में एक अलग फिल्म जैसा था, जिसमें अलग भावनाएं, अलग कहानी का प्रवाह और अलग तकनीकी जरूरतें थीं। हर एपिसोड में दर्शकों और किरदारों को महसूस होने वाली इमोशन्स भी अलग-अलग थीं।डायरेक्टर ने आगे बताया कि रामायण सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान उन्हें कई तरह की क्रिएटिव और टेक्निकल चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कुछ एपिसोड्स में क्रिएटिव चैलेंज ज्यादा थे, तो कुछ में टेक्निकल दिक्कतें सामने आईं। राजामौली के मुताबिक, हर एपिसोड पर काम करते समय ऐसा महसूस होता था जैसे पूरी तरह से एक नई फिल्म बनाई जा रही हो। उन्होंने कहा कि यह काम बेहद मुश्किल था और पूरी टीम को अपना पूरा दिमाग और ताकत लगाकर इस सीक्वेंस को शूट करना पड़ा। इस पूरे सीन की शूटिंग लगभग 60 दिनों तक चली और यह उनके करियर के सबसे संतुष्टि देने वाले अनुभवों में से एक रहा।राजामौली का मानना है कि रामायण से जुड़ा यह हिस्सा उनकी फिल्म 'वाराणसी' का सबसे यादगार और प्रभावशाली भाग साबित होगा। उन्होंने यह भी बताया कि जब उन्होंने महेश बाबू को भगवान राम के अवतार में देखा, तो उनके रोंगटे खड़े हो गए थे। फिल्म में महेश बाबू का किरदार 'रूद्रा' नाम के एक ग्लोबट्रॉटर का होगा, जो अलग-अलग समय सीमाओं में यात्रा करता है। इस मेगा प्रोजेक्ट में पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य विलेन की भूमिका निभाते नजर आएंगे। 'वाराणसी' को 7 अप्रैल को वर्ल्डवाइड IMAX में रिलीज किया जाएगा।

राज्यपाल के भाषण के दौरान 'गो बैक' के नारे, पल्लवी शामिल नहीं हुईं

उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण से शुरू हुआ। जैसे ही उन्होंने बोलना शुरू किया, सपा विधायक महंगाई, बेरोजगारी और अन्य मुद्दों पर नारेबाजी करने वेल में आ गए। हंगामे के बीच पल्लवी पटेल अनुपस्थित रहीं। राज्यपाल ने भाषण पूरा किया और वित्त मंत्री ने सत्र की उपलब्धियों की रिपोर्ट पेश की।

उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार सुबह 11 बजे राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। जैसे ही राज्यपाल ने बोलना शुरू किया, समाजवादी पार्टी (सपा) के कुछ विधायक नारेबाजी करते हुए वेल में प्रवेश कर गए। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी, SIR (सिंगल इंडस्ट्री रिजर्वेशन), UGC और अन्य मुद्दों पर जोरदार नारेबाजी की।इस दौरान राज्यपाल ने हंगामा बढ़ता देख अपना भाषण रोकते हुए सपा विधायकों से कहा, "शांत हो जाइए, वरना गला बैठ जाएगा।" हंगामे के बावजूद सत्र की कार्यवाही को नियंत्रित करने की कोशिश की गई। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान सपा विधायक पल्लवी पटेल इस प्रदर्शन में शामिल नहीं हुईं और अपनी सीट पर ही बैठी रहीं।84 वर्षीय राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्थिति को संभालते हुए करीब 30 मिनट में अपना अभिभाषण पूरा किया। उनके भाषण में राज्य सरकार की नीतियों, विकास कार्यों और आगामी योजनाओं का जिक्र किया गया। उन्होंने राज्य में जारी विकास कार्यों और जनकल्याण योजनाओं पर प्रकाश डाला और यह भी कहा कि सरकार लगातार आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत है।राज्यपाल के भाषण के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 2025-26 सत्र की उपलब्धियों की रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत की। वित्त मंत्री ने पिछले वर्ष की उपलब्धियों, सरकारी योजनाओं की प्रगति और बजट से जुड़ी जानकारी का विस्तृत विवरण दिया। हालांकि, सपा विधायक संग्राम सिंह यादव ने कहा कि राज्यपाल द्वारा कही गई बातें ही वित्त मंत्री ने दोहराई। उन्होंने कहा कि यह केवल अखबारों की हेडलाइन बन गई है, लेकिन बजट और वित्त मंत्री के भाषण पर भी चर्चा होनी चाहिए, ताकि "दूध का दूध और पानी का पानी" हो सके।सत्र के दौरान सपा विधायकों ने लगातार हंगामा किया और महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और अन्य सामाजिक मुद्दों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से आम जनता प्रभावित हो रही है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसके चलते सदन की कार्यवाही को मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया गया।बजट सत्र की शुरूआत से ही विपक्ष का प्रदर्शन जोरदार रहा। सपा विधायकों ने विधानसभा कैंपस में भी प्रदर्शन किया। इस दौरान सपा MLC आशुतोष सिन्हा साइकिल से विधानसभा पहुंचे। साइकिल पर अहिल्याबाई की तस्वीर लगी हुई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में वाराणसी सहित अन्य क्षेत्रों में लगातार मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। उनका यह बयान विधानसभा परिसर में चर्चा का विषय बना।सत्र के दौरान हंगामे के बावजूद कानून और व्यवस्था बनाए रखी गई। पुलिस और सुरक्षा बल सदन और विधानसभा परिसर में सक्रिय रहे। कर्मचारियों और अधिकारियों ने शांतिपूर्ण संचालन के लिए अतिरिक्त सावधानी बरती।राज्यपाल और वित्त मंत्री के भाषणों के बीच जो समानता देखी गई, उसे लेकर विपक्ष ने सवाल उठाया कि बजट और विकास कार्यों पर सार्थक बहस क्यों नहीं हो रही। सत्र के स्थगित होने से यह संकेत मिलता है कि आगामी दिनों में बजट सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच बहस और तीव्र हो सकती है।अंततः, सोमवार का सत्र यह स्पष्ट करता है कि बजट सत्र में वित्तीय रिपोर्ट, राज्यपाल के अभिभाषण और विपक्षी दल के सवालों के बीच तीव्र बहस देखने को मिलेगी। सत्र के स्थगित होने के बावजूद विधानसभा परिसर में विपक्षी प्रदर्शन यह दर्शाता है कि आगामी सत्र में सरकारी नीतियों और बजट पर सघन चर्चा होगी।

लखनऊ में गर्मी की आहट, 2 से 3°C बढ़ेगा तापमान

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने जानकारी दी कि प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से जारी घने कोहरे का सिलसिला अब धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि तेज पछुआ हवाओं के चलने से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है, जिससे कोहरे की स्थिति में कमी आई है। आने वाले 24 घंटों के बाद प्रदेश में कोई भी सक्रिय मौसम तंत्र प्रभावी नहीं रहेगा, जिससे मौसम शुष्क बना रहेगा।मौसम विभाग के अनुसार, अगले 2 से 3 दिनों के दौरान प्रदेश के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी होने की संभावना है। इसके चलते तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जाएगा। हालांकि, दिन में मौसम अपेक्षाकृत अनुकूल रहेगा, लेकिन सुबह और शाम के समय ठंड का असर बना रहेगा। इस दौरान लोगों को हल्की ठंड महसूस हो सकती है, विशेषकर सुबह के वक्त।राजधानी लखनऊ में वायु गुणवत्ता की स्थिति अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्न नजर आई। लालबाग इलाके में सुबह के समय हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई। यहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 249 रहा, जो ऑरेंज जोन में आता है। यह स्तर स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक माना जाता है, खासकर संवेदनशील लोगों के लिए।वहीं तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र में AQI 186 दर्ज किया गया, जो मॉडरेट लेवल के यलो जोन में है। अलीगंज क्षेत्र का AQI 146 और गोमतीनगर का 129 रहा, जो भी मॉडरेट श्रेणी में शामिल हैं। इन इलाकों में वायु गुणवत्ता मध्यम स्तर की रही।कुछ स्थानों पर हवा की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रही। अंबेडकर यूनिवर्सिटी क्षेत्र में AQI 65 दर्ज किया गया, जिसे संतोषजनक श्रेणी में रखा गया है।

लखनऊ में ट्रेडिंग के नाम पर 7.12 लाख की ठगी, IPO मुनाफे का झांसा

लखनऊ: साइबर ठगों ने शेयर ट्रेडिंग और IPO में मोटे मुनाफे का लालच देकर एक युवक से लाखों रुपए ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर गुडम्बा थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकीपुरम श्याम एन्क्लेव निवासी मयंक श्रीवास्तव के मुताबिक 8–9 दिसंबर को उनके पास एक कॉल आई, जिसमें उन्हें ट्रेडिंग से जुड़े व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़ने की बात कही गई। ग्रुप में शामिल होने के बाद ठगों ने उनका ट्रेडिंग अकाउंट खुलवाया। पहले 5 हजार रुपये जमा कराए। अगले दिन अकाउंट में मुनाफा दिखाया गया, जिससे उनका भरोसा बन गया। इसके बाद अलग-अलग बैंक खातों में किश्तों में कुल 7 लाख 12 हजार 500 रुपये जमा कराए गए। ठगों ने IPO में निवेश कराने की बात कही और अकाउंट में 1 करोड़ रुपये की जीत दिखाई। जब पीड़ित ने रकम निकालने की मांग की तो ठगों ने 20 लाख रुपये और जमा करने की शर्त रख दी। शक होने पर पीड़ित ने SEBI से जानकारी ली, जहां बताया गया कि उनके साथ फ्रॉड हुआ है। इसके बाद 1930 साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई, जिस पर कार्रवाई करते हुए अलग-अलग खातों में भेजी गई 3 लाख 47 हजार रुपए होल्ड हो गए। पीड़ित ने बताया कि व्हाट्सऐप ग्रुप का नाम Steady Hain Group है। जिसका एडमिन काव्या गोडबोले बताया गया है। अकाउंट मैनेजर राघवन नारायणन नाम से संपर्क में था। ठगी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों का पूरा विवरण पुलिस को सौंप दिया गया है। गुडम्बा पुलिस के मुताबिक तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। साइबर सेल की मदद से खातों और आरोपियों की पहचान की जा रही है। जल्द ही आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी।

सऊदी से छुपाकर लाया 2 करोड़ का सोना, लखनऊ एयरपोर्ट पर कस्टम पुलिस ने पकड़ा

लखनऊ एयरपोर्ट पर 2 करोड़ का सोना पकड़ा गया। जेद्दा से आई सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट से 1.267 ग्राम सोना लावारिस हालत में मिला है। रविवार को एयर इंडिया की सुरक्षा टीम द्वारा सौंपे गए इस सोने को कस्टम्स एक्ट 1962 के तहत जब्त कर लिया गया है। कस्टम्स सूत्रों के अनुसार, 5 फरवरी 2026 को जेद्दा से लखनऊ पहुंची फ्लाइट नंबर SV-892 से तीन पैकेट बरामद किए गए। इनमें दो पैकेट और एक छोटी पॉलिथीन शामिल थी। एयर इंडिया की सुरक्षा टीम ने बताया कि यह तीनों पैकेट किसी भी यात्री द्वारा क्लेम नहीं किए गए थे, जिसके बाद इन्हें कस्टम्स विभाग को सौंप दिया गया। जांच के दौरान पैकेटों को खोले जाने पर कुल 1267.600 ग्राम नेट वजन का सोना बरामद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार दर के अनुसार इसकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 95 लाख 71 हजार 743 रुपए आंकी गई है। बरामद सोना अवैध रूप से लाया गया है। प्रारंभिक जांच में इसे तस्करी से जोड़कर देखा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाया जा रहा है कि सोना किसके द्वारा और किस उद्देश्य से लाया गया था। फ्लाइट के यात्रियों की सूची, सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

महिला का आरोप: आसिफ ने रितेश बन मंदिर में शादी की, धर्मांतरण का दबाव

पीड़ित महिला ने कहा- मैं कन्नौज की रहने वाली हूं। मेरा जन्म ब्राह्मण परिवार में हुआ था। मेरे पिता ने अपने दोस्त (गुप्ता परिवार) को मुझे गोद दे दिया था। पिता जी के दोस्त की मौत के बाद मेरी मुलाकात एक युवक से हुई। उसने अपना नाम रितेश मौर्य बताया। उसने लखनऊ के पुरनिया स्थित आर्य समाज मंदिर में मुझसे हिंदू रीति-रिवाज से शादी की। महिला ने कहा- 2 साल तक सबकुछ ठीकठाक चलता रहा। वह मेरा साथ मंदिर जाता था। पूजा-पाठ करता था। उसके बाद बेटी का जन्म हुआ। इसके बाद रितेश ने बताया कि वह हिंदू नहीं मुस्लिम है। उसका असली नाम मोहम्मद आसिफ है। उसने सोची-समझी साजिश के तहत शादी की थी। वह मुझे अपने साथ गृह जनपद हरदोई ले गया। महिला ने कहा- हरदोई में उसने अपने परिवार के साथ मिलकर मेरा जबरन धर्म परिवर्तन कराया। उन लोगों ने बोला अगर ऐसा नहीं करोगी तो तुम्हे जान से मार देंगे। या घर से निकाल देंगे। मेरा कोई रिश्तेदार या घरवाले न होने के कारण मुझे उनकी बात मजबूरी में माननी पड़ी। इसके बाद से उन लोगों ने मेरे साथ अत्याचार करना शुरू कर दिया।

लखनऊ में 2 बुजुर्ग दोस्तों को अज्ञात वाहन ने रौंदा

लखनऊ: इटौंजा इलाके में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो बुजुर्गों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 58 वर्षीय कुंवर बहादुर सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उनके दोस्त अंगद सिंह गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज अभी चल रहा है। पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।घटना इटौंजा थाना क्षेत्र स्थित मुहाना चौकी के पास हुई। मृतक कुंवर बहादुर सिंह अपने दोस्त अंगद सिंह के साथ सड़क किनारे खड़े थे और अपने भाई अमर बहादुर सिंह का इंतजार कर रहे थे। हादसे के समय उनका बेटा निर्मल भी घटनास्थल के बारे में जानकारी दे रहा है। निर्मल ने बताया कि दोनों बुजुर्ग अचानक एक अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से गिर पड़े। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों दूर तक जा गिरे।घायल अवस्था में कुंवर बहादुर सिंह को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं अंगद सिंह को भी गंभीर चोटें आई हैं। उनके पैर की हड्डी टूटकर बाहर निकल आई है और हाथ की एक अंगुली कट गई है। उनका इलाज एक निजी अस्पताल में जारी है।घटना की जानकारी मृतक के बेटे निर्मल को करीब 40 मिनट बाद मिली। इस दौरान हादसे के शिकार दोनों घायल सड़क पर ही पड़े रहे। हादसे की जगह से चंद कदम की दूरी पर मुहाना चौकी स्थित है, लेकिन पुलिस को इस गंभीर घटना की भनक नहीं लगी। यह लापरवाही परिवार के लिए और भी चिंता का विषय बन गई है।कुंवर बहादुर सिंह मुहाना गांव के निवासी थे और अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनके चार बच्चे हैं। बेटे निर्मल, कमल और विमल के अलावा सबसे छोटी बेटी शुभी हैं। परिवार के लिए यह घटना आर्थिक और मानसिक रूप से बड़ा झटका है।स्थानीय लोग और परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को हादसे की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मृतक का शव कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल अंगद सिंह का इलाज जारी है और पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।घटना ने इलाके में सुरक्षा और सड़क पर वाहन चालकों की लापरवाही पर सवाल खड़ा कर दिया है। सड़क किनारे खड़े बुजुर्गों और पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए लोगों का कहना है कि प्रशासन को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।इस दर्दनाक हादसे से परिवार में शोक का माहौल है। मृतक के बेटे निर्मल ने बताया कि उनके पिता अपने भाई का इंतजार कर रहे थे, लेकिन अचानक आए वाहन ने उनके जीवन को छीन लिया। वहीं अंगद सिंह की चोटें गंभीर हैं और उनकी रिकवरी में समय लगेगा।पुलिस मामले की जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। मृतक के परिजनों ने वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रशासन और पुलिस इस मामले में जिम्मेदार की पहचान करने और उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना कराने की पूरी कोशिश कर रही है।इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और पैदल चलने वालों के लिए खतरे की चेतावनी दी है। परिवार, स्थानीय लोग और प्रशासन के लिए यह हादसा गहरा शोक और सीख दोनों लेकर आया है।

रेलवे की नई योजना: तेजस, शताब्दी और डबलडेकर गोमतीनगर से संचालित होंगी

लखनऊ: गोमतीनगर रेलवे स्टेशन धीरे-धीरे शहर के प्रमुख रेलवे हब के रूप में उभरता जा रहा है। पहले केवल वीआईपी ट्रेन पुष्पक एक्सप्रेस को ही यहाँ शिफ्ट किया गया था, लेकिन अब रेलवे ने इस स्टेशन को और भी बड़े पैमाने पर विकसित करने की योजना बना ली है। इसके तहत डबलडेकर एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस और चेन्नई जाने वाली मास एक्सप्रेस को भी गोमतीनगर से संचालित करने की तैयारी की जा रही है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि इन ट्रेनों को गोमतीनगर शिफ्ट करने के बाद लखनऊ जंक्शन और चारबाग रेलवे स्टेशन से वीआईपी ट्रेनों के दबाव में काफी कमी आएगी।पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के अंतर्गत आने वाले गोमतीनगर स्टेशन को आधुनिक और विश्वस्तरीय स्टेशन बनाने की दिशा में काम तेजी से जारी है। स्टेशन का पहला चरण पहले ही पूरा हो चुका है और इसका वर्चुअल उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा चुका है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, मार्च 2026 तक स्टेशन का दूसरा चरण भी पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही स्टेशन से संचालित होने वाली ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की प्रक्रिया को भी तेज कर दिया गया है।वर्तमान में गोमतीनगर स्टेशन से पटना, सहारनपुर, गोरखपुर और प्रयागराज के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस चलाई जा रही हैं। इसके अलावा, कामाख्या, जयपुर और मालदाटाउन के लिए भी ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। मालदाटाउन के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस भी इसी स्टेशन से संचालित होती है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, लखनऊ जंक्शन और चारबाग रेलवे स्टेशन को मिलाकर 'ग्रेटर चारबाग' विकसित करने की योजना पर भी काम चल रहा है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य शहर के मध्य हिस्से में यात्री दबाव को कम करना और बेहतर यात्री सुविधा सुनिश्चित करना है।'ग्रेटर चारबाग' योजना के तहत जंक्शन से चलने वाली प्रमुख ट्रेनों को चरणबद्ध तरीके से गोमतीनगर शिफ्ट किया जाएगा। पुष्पक एक्सप्रेस को पहले ही गोमतीनगर शिफ्ट किया जा चुका है, जबकि लखनऊ मेल ट्रेन वापस चारबाग स्टेशन पर लौट गई है। अब रेलवे दिल्ली जाने वाली शताब्दी और डबलडेकर एक्सप्रेस के अलावा चेन्नई की मास एक्सप्रेस और कारपोरेट ट्रेन तेजस एक्सप्रेस को भी गोमतीनगर से चलाने की संभावना पर विचार कर रहा है। इसके लिए रेलवे द्वारा फीजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार की जा रही है, ताकि यात्री सुविधा और संचालन की योजना के सभी पहलुओं का मूल्यांकन किया जा सके।अगर यह योजना लागू होती है तो चारबाग रेलवे स्टेशन परिसर में यात्री लोड काफी हद तक कम हो जाएगा। यह बदलाव न केवल यात्रियों के लिए सुविधाजनक होगा बल्कि स्टेशन संचालन और भी व्यवस्थित बनेगा। इसी के साथ गोमतीनगर से पुरी के लिए नई ट्रेन चलाने का प्रस्ताव भी रेलवे बोर्ड को भेजा गया है। प्रस्तावित ट्रेन गोरखपुर के रास्ते संचालित होगी। फिलहाल पुरी जाने के लिए चारबाग से नीलांचल एक्सप्रेस ही एकमात्र प्रमुख विकल्प है। नई ट्रेन के संचालित होने से पूर्वी भारत की कनेक्टिविटी और बेहतर होगी और यात्रियों को नए विकल्प मिलेंगे।गोमतीनगर रेलवे स्टेशन के संचालन की जिम्मेदारी निजी एजेंसी को देने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण (RLDA) ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। निजी कंपनी स्टेशन से संबंधित टिकटिंग, पार्किंग और अन्य संचालनात्मक काम संभालेगी। हालांकि प्लेटफॉर्म और ट्रेनों की सुरक्षा रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के अंतर्गत ही रहेगी, जिससे सुरक्षा मानक बनाए रखे जाएंगे।चारबाग रेलवे स्टेशन उत्तर रेलवे के अधीन आता है, जबकि लखनऊ जंक्शन पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल में शामिल है। ग्रेटर चारबाग योजना के तहत इन दोनों स्टेशनों को एकीकृत करने पर मंथन और कार्ययोजना पहले ही तैयार की जा चुकी है। योजना लागू होने के बाद लखनऊ से शुरू और समाप्त होने वाली कई ट्रेनें जंक्शन के माध्यम से संचालित की जाएंगी। इस बदलाव से शहर के मध्य हिस्से में यात्री दबाव कम होगा और यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी।रेलवे अधिकारियों का कहना है कि गोमतीनगर स्टेशन का विस्तार और ट्रेनों का शिफ्ट होना न केवल शहर में ट्रैफिक लोड कम करेगा, बल्कि यात्रियों के लिए सुविधाजनक, समय की बचत करने वाला और आधुनिक रेलवे स्टेशन का अनुभव भी सुनिश्चित करेगा। भविष्य में स्टेशन के पास सुविधाओं में और भी सुधार किया जाएगा, जिसमें आधुनिक वेटिंग हॉल, बेहतर सूचना प्रणाली, पार्किंग सुविधा, डिजिटल टिकटिंग और यात्रा संबंधी अन्य सुविधाएं शामिल होंगी।इस पूरी योजना के लागू होने के बाद लखनऊ के रेलवे नेटवर्क में संतुलन आएगा और शहर के दोनों प्रमुख स्टेशनों—चारबाग और लखनऊ जंक्शन—में यात्री लोड समान रूप से वितरित होगा। गोमतीनगर स्टेशन के विकास से यह स्टेशन शहर के प्रमुख ट्रेनों के लिए एक वैकल्पिक हब बन जाएगा। यात्रियों को ट्रेनें समय पर उपलब्ध होंगी और स्टेशन पर भीड़ कम होगी।गोमतीनगर स्टेशन से नई ट्रेनों के संचालन के लिए फीजिबिलिटी और तकनीकी तैयारियों का काम तेजी से चल रहा है।

कानपुर हादसा: 14 करोड़ की लैम्बोर्गिनी को VIP ट्रीटमेंट, 6 लोगों को कुचलने वाला आरोपी छूटा

कानपुर: VIP रोड पर तेज रफ्तार लेम्बोर्गिनी कार से 6 लोगों को उड़ाने के मामले में आखिर पुलिस ने FIR दर्ज कर ली है। पुलिस ने कार नंबर के आधार पर FIR दर्ज की है। जबकि, कारोबारी के बेटे और उसकी पूरी जानकारी पुलिस के पास है। इसके बाद भी गाड़ी नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। पहले तो पुलिस ने आरोपी को थाने से छोड़ दिया। अब गाड़ी नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है। मामले में डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि जल्द ही आरोपी कार चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ग्वाल टोली थाने में 14 करोड़ की कार को VIP प्रोटोकॉल मिला। ब्लैक कवर से पुलिस ने कार को ढंका दिया था। FIR के मुताबिक, चमनगंज घुसियाना निवासी मोहम्मद इस्लाम ने बताया- 8 फरवरी की दोपहर 1:45 बजे झूला पार्क चौराहे के पास अपने दोस्त का सड़क के किनारे खड़े होकर किसी का इंतजार कर रहा था। इस दौरान VIP रोड पर परमट की ओर से आ रही बेकाबू लेम्बोर्गिनी कार ने मेरे बगल में खड़ी बुलेट में तेजी से टक्कर मारते हुए मुझे भी जोरदार टक्कर मारी दी। इससे मेरे बाएं पैर में गंभीर चोट आ गई और बुलेट भी छतिग्रस्त हुई है। इसके साथ ही गाड़ी की चपेट में आने से अन्य कई लोग भी घायल हो गए। पुलिस ने मामले में रविवार देर रात गाड़ी नंबर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस की मानें तो अब रिपोर्ट दर्ज करने के बाद आरोपी ड्राइवर को पूछताछ के लिए थाने बुलाया जाएगा। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

उन्नाव में सड़क हादसे में मजदूर की मौत, परिजनों ने मुआवजे की मांग की

उन्नाव: जनपद के पुरवा थाना क्षेत्र में स्थित मिर्री चौराहा पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में 53 वर्षीय मजदूर की मौत हो गई। इस घटना से इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। हादसा उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार छोटे हाथी वाहन ने सड़क किनारे खड़े मजदूर को जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल मजदूर को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मुआवजे की मांग की है।मृतक की पहचान पुरवा थाना क्षेत्र के टिकरकला गांव निवासी रमाकांत पुत्र शिवप्रसाद के रूप में हुई है। रमाकांत पेशे से मजदूर थे और पल्लेदारी का काम करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी मंजू देवी और एक बेटा नितिन पाल हैं। रमाकांत ही परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। उनकी अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और आर्थिक संकट भी गहरा गया है।प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा मिर्री चौराहा पर उस समय हुआ जब रमाकांत सड़क किनारे खड़े थे। उसी दौरान सामने से आ रहे एक छोटे हाथी वाहन ने नियंत्रण खोते हुए उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रमाकांत उछलकर सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग तुरंत उनकी मदद के लिए दौड़े।घटना के समय वहां मौजूद सोहन लाल ने तत्काल रमाकांत के भाई श्रीराम को फोन कर हादसे की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। गंभीर हालत में पड़े रमाकांत को आनन-फानन में पुरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उनकी हालत को बेहद नाजुक बताया और बेहतर इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान रमाकांत ने दम तोड़ दिया।रमाकांत की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी मंजू देवी का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं बेटे नितिन पाल पर दुखों का गहरा असर पड़ा है। परिजनों ने बताया कि रमाकांत परिवार की आजीविका का एकमात्र सहारा थे। उनकी मृत्यु के बाद परिवार के सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। परिजनों और ग्रामीणों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है।हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भी रोष देखने को मिला। लोगों का कहना है कि मिर्री चौराहा पर आए दिन तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसे होते रहते हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की कि इस चौराहे पर यातायात नियंत्रण के लिए उचित व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके। घटना की सूचना मिलने पर पुरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने परिजनों को आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी। पुरवा थाना पुलिस के अनुसार, छोटे हाथी वाहन की पहचान की जा रही है और चालक के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि हादसे के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। दोषी चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। वहीं, परिजनों ने भी प्रशासन से मांग की है कि उन्हें जल्द से जल्द मुआवजा दिया जाए, ताकि परिवार की आर्थिक स्थिति कुछ हद तक संभल सके।इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नाले का पानी रोके जाने से लखनऊ की कॉलोनी में जलभराव, मकानों को नुकसान

लखनऊ: खरगापुर इलाके में नाला रोकने से खाली प्लाटों में पानी भर रहा है। आस-पास मकानों में सीलन हो गई है, टाइल्स बैठी जा रही हैं। घरों को बचाने के लिए बाहर की ओर दीवारों से सटाकर कंक्रीट का मलबा डाला जा रहा है, जिससे नींव मजबूत रहे। मकान मालिक विरोध कर रहे हैं तो घर गिराने की धमकी मिल रही है। मेयर सुषमा खर्कवाल, विधायक योगेश शुक्ला, नगर आयुक्त गौरव कुमार, पार्षद ममता रावत से कई बार शिकायत हुई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया। लोगों की समस्या जानने के लिए दैनिक भास्कर ग्राउंड जीरो पर पहुंचा। स्थानीय लोगों ने बातचीत के दौरान सुभासपा विधायक बेदी राम पर नाला रोकने का आरोप लगाया। वहीं, विधायक बेदी राम ने आरोपों को सिरे से नकारा है खरगापुर इलाके में भरवारा मल्हौर वार्ड के एमिटी यूनिवर्सिटी से एसटीपी की तरफ जाने वाले रास्ते पर विधायक ने करीब 6 फीट बढ़ाकर नाले की जमीन पर बाउंड्रीवाल का निर्माण कर लिया है। इससे नाला संकरा हो गया है। गंदे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। इससे गंदा पानी आस-पास के खाली प्लॉट और कॉलोनियों में भर रहा है। मानसून के समय में समय विकराल हो जाती है। रीना का कहना है कि 20 हजार घरों का पानी इस नाले से आगे जाता है, लेकिन विधायक ने नाले की जमीन पर कब्जा कर पानी रोक दिया है। इसके कारण हमारे घरों में पानी भर रहा है। नगर निगम की गाड़ी कार्रवाई करने आई फिर भी विधायक ने कार्रवाई नहीं करने दी। रंजू ने कहा- पानी और नाले की समस्या है। बाथरूम और घर की टाइल्स बैठ रही हैं। बारिश होने पर घरों में पानी भर रहा है। नाले का पानी घरों में जा रहा है। हम लोग बीमार पड़ रहे हैं। विभा सिंह ने कहा- समस्या यह है कि पानी का निकास नहीं हो रही है। हम लोग बीमारी से जूझ रहे हैं। आगे नाला रुका है। मेयर से लेकर विधायक तक आश्वासन दे चुके हैं। कोई सुनने वाला नहीं है। राम विजय ने कहा- पिछले एक साल से नाला बंद है। कॉलोनी के प्लाट और घरों में पानी भर रहा है। डेढ़ साल से सो नहीं पा रहे। कोई बांधता है। कोई खोलता है। आस पास के लोगों में झगड़ा हो रहा है। हर सप्ताह मेयर और नगर निगम के अधिकारियों से मिल रहे हैं। धमकी मिल रही है कि पूरी कॉलोनी अवैध है, घर गिरवा देंगे। डेढ़ साल पहले तक नाली सीधी जाती थी। एसटीपी से होते हुए नदी में चली जाती थी। दो हजार से अधिक घरों का पानी आ रहा है। इससे घरों में सीवर का पानी जा रहा है। मेयर और तत्कालीन नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह भी मौके पर पहुंचे थे, लेकिन कुछ नहीं हुआ है।

स्थानीय बीकेटी विधायक योगेश शुक्ला शनिवार को मौके पर निरीक्षण करने पहुंचे। नगर निगम के अधिकारी भी इस दौरान उनके साथ थे। विधायक ने कहा कि नाला वहां पर जरूर खुदेगा। स्थानीय लोगों को समस्या हो रही है। विधायक ने कहा- पहले जैसे पानी बह रहा था। उसे कोई कैसे रोक सकता है। जन प्रतिनिधि बनने के बाद में जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि हमसे किसी को समस्या न हो, लेकिन पूरी आबादी को जलभराव में झोंक दिया है।

प्राथमिक स्कूल के शिक्षक पर छात्राओं से गलत हरकत करने का मामला

वाराणसी: शिवपुर थाना क्षेत्र के परिषदीय विद्यालय में टीचर ने छात्राओं से स्कूल परिसर में छेड़छाड़ कर दी। पहले वह छात्राओं से अश्लील बातें करता था फिर उन्हें बैडटच शुरू कर दिया। सोमवार को जब सहायक अध्यापक पदमाकर सिंह की हरकतें सार्वजनिक हो गई तो छात्राओं ने विरोध किया। खामोश छात्राओं ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। बताया कि कई बार अकेले में ले जाकर गलत हरकत और दुष्कर्म का प्रयास किया। आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कूल का घेराव करते हुए हमला बोल दिया। आरोपी शिक्षक को तलाश करने लगे। स्कूल परिसर में हंगामा करते हुए उपद्रव किया। ग्रामीणों के आक्रोश से डरे सहमे अन्य शिक्षक स्कूल छोड़कर भागने लगे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना पाकर शिवपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। मामला बढ़ता देखकर आला अधिकारियों को जानकारी दी। मौके पर डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार पहुंचे और कई थानों का फोर्स बुलाया गया। वहीं स्कूल परिसर में सभी एसीपी भारी फोर्स मौके पर मौजूद है। SDM सदर और बेसिक शिक्षा अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। बताया गया कि आरोपी सहायक अध्यापक का नाम पदमाकर सिंह है और पीड़ित छात्राएं कक्षा चार और कक्षा 5 की छात्रा है विद्यालय में पठन-पाठन के दौरान ही मासूम मासूम बच्चियों के साथ अश्लील हरकत और छेड़खानियां करता था। अधिकारियों ने बताया कि स्कूल में कुल 12 महिला अध्यापिका 3 पुरुष अध्यापक है, जिसमे एक महिला एक पुरुष अध्यापक का समायोजन दूसरे विद्यालय में हुआ। आरोपी को प्रधानाध्यापक ने 15 दिन पहले ही रिलीव कर दिया लेकिन वह यहां से जाना नहीं चाहते थे। आरोपी प्रधानाध्यापक की उम्र 58 वर्ष है जो दो साल बाद रिटायर होने वाला है। आरोपी प्रधानाध्यापक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मामले की जांच एसडीएम सदर और बेसिक शिक्षा अधिकारी कर रहे हैं फिलहाल पुलिस अधिकारी आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कुलदीप सेंगर की जमानत याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट से कहा कि वह तीन महीने में सुनवाई पूरी करे। सेंगर उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत मामले में दोषी पाए जा चुके हैं।

भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। शीर्ष अदालत ने पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत से जुड़े मामले में जमानत पर सुनवाई से सोमवार को इनकार कर दिया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट से आग्रह किया है कि वह सेंगर की अपील पर सुनवाई तीन महीने के भीतर पूरी करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा - हम इस स्तर पर कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं करेंगे। इस अपील पर निर्णय लेने का अधिकार क्षेत्र दिल्ली हाईकोर्ट के पास है और अंतिम फैसला वहीं से आएगा। जज ने कहा कि हाईकोर्ट से तय समय-सीमा के भीतर सुनवाई पूरी करने का अनुरोध करेंगे। दरअसल, कुलदीप सेंगर को उन्नाव रेप पीड़ित के पिता की पुलिस हिरासत में मौत मामले में ट्रायल कोर्ट ने 10 साल के कठोर कारावास और 10 लाख रुपए जुर्माने की सजा 2020 में सुनाई थी। पूर्व विधायक कुलदीप सिंह ने सुप्रीम कोर्ट जाने से पहले दिल्ली हाईकोर्ट में जमानत की अपील की थी। 19 जनवरी 2026 को हाईकोर्ट ने जमानत से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की हिरासत में मौत के मामले में कोई नरमी नहीं बरती जा सकती।

सेंगर ने दलील दी थी कि वह इस केस में करीब 9 साल जेल में रह चुका है और अब सिर्फ 11 महीने की सजा बाकी है। पीड़ित की ओर से वकील महमूद प्राचा ने जमानत का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कोर्ट को बताया था कि सेंगर को जमानत मिलने से पीड़ित और उसके परिवार को खतरा है। गौरतलब है कि कुलदीप सिंह सेंगर उत्तर प्रदेश के उन्नाव से पूर्व विधायक रह चुके हैं। वह रेप केस में दोषी ठहराए जा चुके हैं। पीड़िता के पिता की मौत का मामला भी इसी प्रकरण से जुड़ा है, जिसने देशभर में व्यापक चर्चा और आक्रोश पैदा किया था। दरअसल, उन्नाव रेप पीड़ित के पिता को 2018 में हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल में उनकी हालत बिगड़ गई थी और बाद में उनकी मौत हो गई थी। पीड़ित के परिजनों ने आरोप लगाया था कि यह कोई सामान्य मौत नहीं है, बल्कि साजिश के तहत की गई कस्टोडियल डेथ थी। आरोप था कि सेंगर के प्रभाव और दबाव में पीड़ित के पिता को प्रताड़ित किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच CBI को सौंपी गई। CBI ने सेंगर और अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। लंबी सुनवाई के बाद 13 मार्च 2020 को निचली अदालत ने सेंगर को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। पीड़ित के साथ 4 जून 2017 को सेंगर ने रेप किया था। वह अधिकारियों के चक्कर लगाती रही, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इसी बीच, उसके पिता को पेड़ से बांधकर पीटा गया। पिटाई करने वालों में कुलदीप के भाई अतुल और उनके लोग शामिल थे। इसके बाद 8 अप्रैल 2018 को पीड़ित लखनऊ पहुंची और CM आवास के सामने आत्मदाह का प्रयास किया। सुरक्षाकर्मियों ने उसे बचा लिया। अगले ही दिन खबर आई कि पीड़िता के पिता की पुलिस कस्टडी में मौत हो गई। मामले में कुलदीप, उसके भाई, माखी थाने के एसएचओ समेत 10 लोग आरोपी बने और बाद में इन्हें सजा हुई। सेंगर की संलिप्तता और पिता की मौत ने इस केस को बड़ा बना दिया। 12 अप्रैल 2018 को केस CBI को ट्रांसफर कर दिया गया। सेंगर के खिलाफ मामला दर्ज हुआ और उसे गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया। इसी बीच, पीड़िता के चाचा, जो इस केस में उसकी मदद कर रहे थे, उन्हें 19 साल पुराने मामले में 10 साल की सजा हो गई। पीड़ित अकेली हो गई। 28 जुलाई 2019 को वह अपनी मौसी, चाची और वकील के साथ जा रही थी, तभी ट्रक ने टक्कर मार दी। मौसी-चाची की मौत हो गई। पीड़ित बच गई।

मामले में कुलदीप के खिलाफ साजिश का मामला दर्ज हुआ। SC के तत्कालीन चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने मामले को गंभीरता से लिया। केस दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में शिफ्ट करवाया। 45 दिन तक लगातार सुनवाई के बाद कोर्ट ने सेंगर को दोषी पाया और 21 दिसंबर 2019 को उम्रकैद की सजा सुनाई।

इटावा में पत्नी ने पति को कुल्हाड़ी से काट डाला

यूपी: इटावा में पत्नी ने अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति की बेरहमी से हत्या कर दी। घर में सो रहे पति पर दोनों ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए पति बरामदे की ओर भागा, पर दोनों उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। बरामदे में ही कुल्हाड़ी से एक दर्जन से अधिक बार वार करके मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पत्नी अपने ब्वॉयफ्रेंड के साथ अपनी बेटी को लेकर मौके से फरार हो गई। सुबह जब मृतक के पिता घर पहुंचे तो बेटे का खून से लथपथ क्षत-विक्षत शव देख बदहवास हो गए। ससुर ने बताया- बहू ने पहले से ही मेरे बेटे की हत्या की साजिश रची हुई थी। क्योंकि मैं हर रात घर के बाहर सोता था, पर घटना की रात उसने मुझे सोने नहीं दिया। मेरे बेटे की हत्या करने वालों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। दोनों पोतियों को मैं अकेले ही पाल लूंगा। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉयड को भी बुलाया गया। पुलिस ने बरामदे में सब्जियों के पास खून से सनी कुल्हाड़ी भी बरामद की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतक के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज की पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर भरथना क्षेत्र की है। बड़े भाई लालू यादव ने बताया- पूजा का पिछले दो साल से गांव के ही अर्पित (40) नामक युवक से प्रेम प्रसंग था। कई बार दोनों को रंगेहाथ पकड़ा जा चुका था। आए दिन इस बात को लेकर रणवीर और पूजा की लड़ाई होती थी। रणवीर विरोध करता था। लालू यादव ने बताया- रणवीर तीन दिन पहले ही घर लौटा था। पूजा ने पहले से ही उसकी हत्या की साजिश बनाई थी। रणवीर के सो जाने के बाद अर्पित को बुलाया और दोनों ने मिलकर मेरे भाई की हत्या कर दी। इसके बाद बेटी को लेकर फरार हो गए।

रायबरेली में गंगा एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसा, 4 लड़कियों की मौत, 5 गंभीर

रायबरेली: तेज रफ्तार कार ने 9 लड़कियों को रौंद दिया। इनमें से 4 लड़कियों की मौत हो गई, जबकि 5 लड़कियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। सभी लड़कियां भंडारे से प्रसाद लेकर घर लौट रही थीं। तभी गंगा एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार में आई एक कार ने उन्हें कुचल दिया। कार की स्पीड इतनी ज्यादा थी कि लड़कियों को संभलने का मौका भी नहीं मिला। दो लड़कियों ने मौके पर दम तोड़ दिया, जबकि 2 की जिला अस्पताल पहुंचने से पहले जान चली गई। घायल पांचों लड़कियों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामला जगतपुर थाना क्षेत्र के चूली गांव का है। दरअसल, गंगा एक्सप्रेस-वे अभी यातायात के लिए खोला नहीं गया है। लेकिन, आसपास के गांवों में रहने वाले लोग बेधड़क एक्सप्रेस-वे पर कार-बाइक दौड़ाते हैं। चूली गांव में एक नया मंदिर बना है। रविवार को मंदिर में भंडारा था। चूली, कोडर और हनुमानगंज गांव के तमाम लोग भंडारे में प्रसाद लेने पहुंचे थे। शाम करीब 7 बजे 10-12 लड़कियां पैदल अपने गांव लौट रही थीं। इसी दौरान गंगा एक्सप्रेस-वे पर लालगंज की तरफ से आ रही तेज रफ्तार कार ने 9 लड़कियों को रौंद दिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और एंबुलेंस बुलवाई। मृतकों की पहचान शालिनी (22) पुत्री जंग बहादुर, हिमांशी (23) पुत्री दल बहादुर, रश्मि (14) पुत्री रामरतन और आसमा (18) के रूप में हुई है। सभी लड़कियां ग्राम पंचायत कोडर की रहने वाली थीं। सूचना पाकर परिवारीजन पहुंचे। रश्मि की मां का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। वह कभी बेटी को सहलाती, तो कभी दहाड़ मारकर रोने लगती। हादसे में 5 लड़कियां गंभीर रूप से घायल हैं। उन्हें पहले जगतपुर अस्पताल ले जाया गया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं, पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है। हादसे के बाद ड्राइवर फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। उधर, विधायक मनोज पांडेय ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल लिया। घायल मीना ने बताया कि 10-12 लड़कियों के साथ भंडारे में प्रसाद लेने जा रहे थे। इस दौरान सामने आ रही तेज रफ्तार कार हम लोगों को रौंदते हुए निकल गई। इससे मेरे साथ गई 4 लड़कियों की मौत हो गई।

ट्रक से टक्कर में पूर्व प्रधानाचार्य, भाई, साढ़ू की मौत

सोनभद्र: में ट्रक की बाइक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बाइक सवार तीनों लोग ट्रक के पहिए के नीचे आ गए। तीनों की मौत हो गई। मृतकों में पूर्व प्रधानचार्य समेत एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं। जिनमें दो से सगे भाई और एक उनका साढ़ू है। हादसा इतना भयावह था कि ट्रक के पहिए के नीचे आने के कारण पूर्व प्रधानचार्य का चेहरे से लेकर कंधे तक का हिस्सा पूरी तरह से गायब हो गया। बाकी दो लोगों के पेट से होकर पहिया गुजर गया। अंतड़ियां बाहर आ गई थीं। तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

राहगीरों ने दौड़कर ट्रक को तो रोक लिया, पर चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद ट्रक के पहिए के नीचे फंसे शवों को बाहर निकाला गया। तीनों ही बॉडी जमीन से चिपक गई थीं, अंगों को खुरच-खुरच कर निकाला गया। तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर अपने एक साढ़ू के घर तिलक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। देर रात वापस घर लौट रहे थे, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आरोपी ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर रावर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र की है। लौटते समय कमला सिंह के साढ़ू प्रेम सिंह भी उनके साथ बाइक से हो लिए। तीनों रात 10 बजे घर के लिए रवाना हुए। रात करीब 11 बजे राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में वाराणसी-शक्तिनगर रोड पर हिंदूआरी चौकी तिराहे के पास बाइक से उतरकर बात कर रहे थे। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक तो छिटककर दूरी जा गिरी, पर तीनों ट्रक के पहिए के नीचे आ गए।